संपादकीय

वक्त की नीति

संयुक्त राष्ट्र आम सभा व सुरक्षा परिषद में यूक्रेन पर रूसी हमले के खिलाफ लाये गये निंदा प्रस्तावों से अलग रहकर भारत ने जहां अपने दूरगामी हितों को ध्यान में रखा है, वहीं यूक्रेन की संप्रभुता की भी वकालत की है। बहुत संभव है कि कुछ लोग वक्त की संवेदनशीलता के चलते इस फैसले को लेकर सवाल खड़े करें, लेकिन इस फैसले से कूटनीतिक संतुलन बनाने की भी कवायद हुई। भले ही भारत ने निंदा प्रस्ताव का समर्थन न किया हो, मगर रूसी हमले की वकालत भी नहीं की है। भारत ने यूक्रेन की संप्रभुता व स्वतंत्रता का पुरजोर समर्थन किया। साथ ही भारत ने शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत के विकल्प को प्राथमिकता दी है। यही बात भारतीय विदेश मंत्रालय व संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने दोहराई है। देश में विपक्ष ने भी वैचारिक मतभेद के बावजूद इसका समर्थन किया है। निस्संदेह, युद्ध किसी विवाद का समाधान नहीं कहा जा सकता। विगत में भारत ने कभी किसी देश पर हमले की पहल नहीं की, युद्ध का विकल्प केवल अपनी सुरक्षा के अंतिम विकल्प के रूप में चुना है। कभी किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र की संप्रभुता पर हमले को न्यायोचित नहीं ठहराया है। अपने पड़ोसियों से भी विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का प्रयास किया। देश द्वारा कई दशकों तक अपनायी गई गुटनिरपेक्षता की नीति का भी यही आधार रहा है। यही नहीं दुनिया के कई देशों में शांति स्थापना में भारत की भूमिका निर्णायक रही है। यूक्रेन-रूस संघर्ष में भी भारत ने सभी पक्षों के नेताओं से बातचीत में विवाद के शांतिपूर्ण समाधान की बात कही है। जल्दी से जल्दी युद्ध विराम की जरूरत को बताते हुए प्रधानमंत्री ने कई देशों के राष्ट्रपतियों से बातचीत की है। यहां हमें राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी था कि रूस हमारा एक भरोसेमंद साथी रहा है और दोनों देशों के रिश्ते दशकों तक गहरे रहे हैं। संकट के कई मौकों पर उसने भारत का साथ दिया है। हमें सचेत रहना चाहिए कि चीन पिछले कुछ वर्षों से एलएसी पर जिस तरह अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को अंजाम देता रहा है, उसके मंसूबों पर नकेल डालने के लिये रूस से भरोसे के रिश्ते बनाये रखना जरूरी है। इसलिये भी कि भारत की रक्षा जरूरतों की बड़ी निर्भरता रूस पर बनी हुई है। हाल ही में अचूक और उन्नत मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली सौदे का सिरे चढ़ना इसकी मिसाल है। लेकिन ऐसे वक्त में जब यूक्रेन में बड़ा मानवीय संकट खड़ा हो गया है भारत अपने दायित्वों से विमुख नहीं हो सकता है। निस्संदेह, किसी देश पर हमला इतिहास को फिर से लिखने की निर्मम कोशिश ही कही जायेगी, उसे मानवता व किसी देश की संप्रभुता की दृष्टि से कतई तार्किक नहीं ठहराया जा सकता। ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ रूस ही इस विवाद का अकेला दोषी है। अमेरिका व पश्चिमी देशों की यूक्रेन को नेटो में शामिल करने की जिद भी कहीं न कहीं इस संघर्ष की मूल वजह रही है, जिसके चलते रूस को लगता था कि नेटो उसके दरवाजे पर आ सकता है। सोवियत संघ के विघटन के समय रूस को भरोसा दिया गया था कि सोवियत संघ से अलग हुए देशों को नेटो में शामिल करने को बाध्य नहीं किया जायेगा। लेकिन यूक्रेन के अलावा अधिकांश देशों को अमेरिका व पश्चिमी देशों ने नेटो में शामिल कर लिया, जिसके चलते रूस में बेचैनी होनी स्वाभाविक थी। इसके बावजूद युद्ध कभी भी शांति का विकल्प नहीं हो सकती। वह भी आज के उन्नत 21वीं सदी के विश्व में। वहीं ऐसे समय में जबकि दुनिया के देश करीब दो साल तक कोरोना महामारी से उबरकर जीवन सामान्य बनाने की कवायद में जुटे हैं। महामारी से जहां लाखों लोगों का जीवन खत्म हुआ, वहीं करोड़ों लोग गरीबी की दलदल में समा गये। रूस-यूक्रेन संघर्ष निस्संदेह मानवीय त्रासदियों में इजाफा ही करेगा। ऐसे में भारत को यूक्रेन की मानवीय मदद के लिये भी आगे आना चाहिए। वहीं रूस पर दबाव बनाकर युद्ध को समाप्त करने की पहल करनी चाहिए।

टीसीएस का 18000 करोड़ रुपए का बायबैक ऑफर 9 मार्च से खुलेगा

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के प्रमोटर- टाटा संस और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने 5 मार्च को 18,000 करोड़ के शेयर बायबैक ऑफर के लिए तारीखों का ऐलान कर दिया। यह ऑफर 9 मार्च को खुलेगा और विंडो 23 मार्च को शाम 5 बजे बंद हो जाएगी। कंपनी के मुताबिक, छोटे शेयरहोल्डर्स के लिए रिजर्व कैटेगरी में प्रत्येक 7 इक्विटी शेयरों के लिए 1 इक्विटी शेयर होगा। टीसीएस ने कहा कि इलिजिबिल शेयरहोल्डर्स के लिए जनरल कैटेगरी में बायबैक का रेश्यो रिकॉर्ड डेट पर प्रति 108 इक्विटी शेयर होल्ड करने पर 1 इक्विटी शेयर का होगा। बुधवार को, टीसीएस बोर्ड ने 4,500 प्रति शेयर पर 4 करोड़ शेयरों के साथ 18000 करोड़ के बायबैक ऑफर को मंजूरी दी थी।

प्रमोटर कंपनियां भी लेंगी भाग

दस्तावेज़ के अनुसार, टाटा संस और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड - टीसीएस की प्रमोटर कंपनियां भी बायबैक ऑफर में भाग लेने का इरादा रखती हैं। टाटा संस, जिसके पास लगभग 266.91 करोड़ शेयर हैं, उनके पास 2.88 करोड़ शेयरों का टेंडर करने का है, जबकि टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (जिसके पास 10,23,685 शेयर हैं) ने 11,055 शेयरों को टेंडर करने का इरादा किया है।

18 दिसंबर, 2020 को खुला था बायबैक

टीसीएस का पिछला बायबैक, जिसकी कीमत लगभग 16,000 करोड़ थी, 18 दिसंबर, 2020 को खुला था और 1 जनवरी, 2021 को बंद हुआ था, जिसमें समूह की होल्डिंग फर्म टाटा संस ने 9,997.5 करोड़ के शेयरों का टेंडर किया था। उस समय 5.33 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयर खरीदे गए थे (ऑफर मूल्य 3,000 प्रति शेयर था) और कुल में से, टाटा संस के 3,33,25,118 शेयरों को बायबैक ऑफर के तहत स्वीकार किया गया था। गुरुवार की स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में विस्तृत पोस्टल बैलेट के अनुसार, प्रमोटर कंपनियों के पास 12 जनवरी, 2022 तक टीसीएस में 72.19 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

भारत का विजयी आगाज, पाकिस्तान को 107 रन से हराया

नई दिल्ली। भारत ने जीत के साथ आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2022 का विजयी आगाज किया है। पहले मैच में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को हरा दिया। भारत ने पाकिस्तान को 137 रनों पर ऑलआउट कर यह मैच 107 रनों से जीता। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के सामने 245 रनों का लक्ष्य रखा था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन (30) को छोड़ कर कोई भी बल्लेबाज 30 का आंकड़ा नहीं छू पाया। भारत की ओर से गायकवाड़ ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए वहीं, झूलन और स्नेह को 2-2 विकेट मिले। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। शेफाली वर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौट गई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई दीप्ति शर्मा (40) ने स्मृति मंधाना (52) का साथ देते हुए तीसरे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। दीप्ति के आउट होते ही टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। 96 के स्कोर पर भारत को दूसरा झटका लगा था और 114 पर भारत ने 6 विकेट खो दिए थे। महज 18 रनों के अंदर मिताली, हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा और रिचा घोष आउट हो गए। इसके बाद स्नेह राणा (53) और पूजा वस्त्राकर (67) ने 7वें विकेट के लिए 122 रनों की वर्ल्ड रिकॉर्ड साझेदारी कर भारत की डूबती नैया को पार लगाया। भारत ने निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए नशरा संधू और निदा दार ने दो-दो विकेट लिए। इसी के साथ भारत ने पाकिस्तान को 107 रनों से हरा कर विश्व कप में विजयी आगाज किया। अब भारतीय टीम 10 मार्च को मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ मैदान में उतरेगी।

10 मार्च को दिवालिया कंपनी के अधिग्रहण पर मंथन, खरीदार की रेस में अडानी भी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी हाउसिंग डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अधिग्रहण पर 9-10 मार्च को मंथन होने वाला है। वित्तीय लेनदार इस संकटग्रस्त रियल्टी फर्म का दिवाला कार्यवाही के माध्यम से अधिग्रहण करने के लिए के विषय पर चर्चा करेंगे। शेयर बाजारों को दी जानकारी में एचडीआईएल के समाधान पेशेवर अभय एन मानुधने ने कहा, ''लेनदारों की समिति की 23वीं बैठक 9 मार्च 2022 को होगी जो 10 मार्च तक चलेगी।'' इसमें बैठक के एजेंडा के बारे में जानकारी नहीं दी गई। पिछले महीने एचडीआईएल ने सूचित किया था कि उसके समाधान पेशेवरों को कंपनी के अधिग्रहण के लिए नौ आवेदकों की ओर से 16 बोलियां मिली हैं। अडानी समूह भी रेस में : गौतम अडानी समूह की कंपनी दिवालिया हो चुकी एचडीआईएल का अधिग्रहण कर सकती है। अडानी समूह के अलावा अन्य आवेदकों में शारदा कंस्ट्रक्शन एंड कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बी-राइट रियल एस्टेट लिमिटेड, अर्बन अफोर्डेबल हाउसिंग एलएलपी, टोस्कानो इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और देव लैंड एंड हाउसिंग लिमिटेड शामिल हैं।

टॉप 10 कंपनियों में 7 का मार्केट कैप 2.11 लाख करोड़ रुपये घटा, फायदे में रिलायंस-इंफोसिस

नई दिल्ली। शेयर बाजार में पिछली सप्ताह चौतरफा बिकवाली के चलते शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण 2.11 लाख करोड़ रुपये घटा गया। इस दौरान एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर सबसे अधिक प्रभावित हुए। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव, तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के बीच छुट्टियों से छोटे हुए सप्ताह में सेंसेक्स 1,524.71 अंक या 2.72 प्रतिशत टूट गया। शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण संयुक्त रूप से 2,11,155.03 करोड़ रुपये गिर गया।

किस कंपनी को कितना नुकसान- इस दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 49,321.79 करोड़ रुपये घटकर 7,57,610.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 35,396.59 करोड़ रुपये घटकर 4,74,593.94 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी का पूंजीकरण 33,023.19 करोड़ रुपये घटकर 4,02,210.71 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का पूंजीकरण 29,343.26 करोड़ रुपये घटकर 4,78,070.84 करोड़ रुपये हो गया। बीते सप्ताह बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक के बाजार पूंजीकरण में भी कमी हुई।

इन कंपनियों को फायदा - इसके विपरीत, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का पूंजीकरण 28,006.22 करोड़ रुपये बढ़कर 15,73,050.36 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इंफोसिस का पूंजीकरण 12,470.59 करोड़ रुपये बढ़कर 7,24,913.68 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मूल्यांकन 2,034.48 करोड़ रुपये बढ़कर 13,03,989.59 करोड़ रुपये हो गया।

मोहाली टेस्ट : भारत जीत की ओर, श्रीलंका को दिया फॉलोऑन- सर जडेजा के पहली पारी में 5 विकेट

मोहाली। मोहाली के पीसीए स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने श्रीलंका को फॉलोऑन दिया है। श्रीलंका की टीम पहली पारी के आधार पर भारत से 400 रन से पिछड़ गई है। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 574 रन बनाए थे, जबकि श्रीलंका की टीम अपनी पहली पारी में 174 रन बनाकर ढेर हो गई। ऐसे में भारत ने फॉलोऑन लागू कर दिया है। 100वें टेस्ट मैच में अब भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को फिर से नहीं बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिलेगा, क्योंकि भारतीय टीम अगर श्रीलंका को 400 रन से पहले आउट कर देती है तो फिर टीम पारी और रनों के अंतर से जीत जाएगी। मोहाली में खेले जा रहे इस मैच में भारतीय टीम ने पूरी तरह से मुकाबले पर पकड़ बना ली है। भारत के स्पिनर ही नहीं, बल्कि तेज गेंदबाज भी सफल हुए हैं। रविंद्र जडेजा ने बॉलिंग में भी अच्छा प्रदर्सन करते हुए 5 विकेट झटके।

भारतीय टीम ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। भारत ने 8 विकेट खोकर 574 रन के स्कोर पर पारी को घोषित कर दिया था। भारत के लिए रविंद्र जडेजा ने 175 रन की पारी खेली थी, जबकि रिषभ पंत 96 रन बनाकर आउट हुए थे। 61 रन आर अश्विन ने और 58 रन की पारी हनुमा विहारी ने भी खेली थी, जबकि 100वें टेस्ट मैच में विराट कोहली 45 रन बनाकर आउट हुए थे।

महिला विश्व कप : पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने टॉस जीता, पहले बल्लेबाजी

तोरंग। भारत ने बे ओवल में खेले जा रहे आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है।

भारत की कप्तान मिताली राज ने कहा,यह बल्लेबाजी करने के लिए एक अच्छी विकेट है, एक बड़ा कुल स्कोर बनाएं और उन पर दबाव डालें। हम तीन तेज गेंदबाजों और तीन स्पिनरों के साथ मैदान में उतर रहे हैं। हमने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में जो लय हासिल की थी उसके साथ मैदान में जाएंगे।

वहीं, पाकिस्तान की कप्तान बिस्माह मारूफ ने कह, हम पहले गेंदबाजी करना चाहते थे, अब हमें उन्हें कम स्कोर पर रोकने की जरूरत है। हम पांच गेंदबाजों के साथ मैच में जा रहे हैं। हमने अच्छा अभ्यास किया है, इसलिए हमें इसी तरह खेलना होगा। मैं टीम में वापस आकर खुश हूं और मुझे पूरी टीम से समर्थन मिल रहा है।

भारत (प्लेइंग इलेवन): स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, हरमनप्रीत कौर, मिताली राज (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, मेघना सिंह, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़।

पाकिस्तान (प्लेइंग इलेवन): बिस्माह मरूफ (कप्तान), सिदरा अमीन, जावेरिया खान, ओमैमा सोहेल, निदा डार, आलिया रियाज, फातिमा सना, सिदरा नवाज (विकेटकीपर), डायना बेग, नशरा संधू, अनम अमीन।

मैं कभी अच्छी अदाकारा नहीं थी : अंकिता लोखंडे

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने बताया कि 2009 में अपनी शुरूआत के बाद से वह एक एक्टर के रूप में कैसे विकसित हुई हैं। अंकिता, जो आज टीवी शो से अर्चना के रूप में अपने सहज प्रदर्शन के कारण एक घरेलू नाम है, उन्होंने महसूस किया कि वह कभी भी एक अच्छी अभिनेत्री नहीं थी, लेकिन उसने सेट पर सीखा और फिल्म की शूटिंग के दौरान शिल्प का अधिक ज्ञान प्राप्त किया।

2009 से एक अभिनेत्री के रूप में वह कैसे विकसित हुई, इस बारे में बात करते हुए, अंकिता ने कहा कि पवित्र रिश्ता ने मुझे बहुत सी चीजें सिखाई हैं कि मैं बाहर जाकर अलग-अलग तरह की ला कर सकती हूं। टेलीविजन आपको खुद बहुत कुछ सिखाता है। यदि आपने टेलीविजन किया है तो आप कुछ भी कर सकते हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि इसलिए जब मैंने पवित्र रिश्ता के बाद मणिकर्णिका की तो मैंने और चीजें सीखीं यह सीखने की एक प्रक्रिया है जो कभी नहीं रुक सकती।

सीजन 2 मानव-अर्चना के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जिसे शहीर शेख और अंकिता ने निभाया है।

यह शो पहली बार 2009 में टेलीविजन पर प्रसारित हुआ था। इसमें मानव के रूप में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने भी अभिनय किया था। यह 2020 में डिजिटल हो गया।

ऐश्वर्या राजेश की काना 18 मार्च को चीन में रिलीज होगी

निर्देशक अरुणराज कामराज की महिला केंद्रित खेल फिल्म काना, जिसमें अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश मुख्य भूमिका में हैं, चीन में 18 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म को समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और व्यावसायिक सफलता मिली थी। इसका निर्माण अभिनेता शिवकार्तिकेयन के शिवकार्तिकेयन प्रोडक्शंस द्वारा किया गया था। अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। ट्विटर पर, उन्होंने कहा, यह घोषणा करते हुए रोमांचित और प्रसन्नता हो रही है कि मेरी पसंदीदा काना में से एक, 18 मार्च को चीन में रिलीज होगी। इंस्टाग्राम पर, अभिनेत्री ने कहा, अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। काना के सभी प्यार और सफलता के लिए धन्यवाद।

आज का राशिफल

मेष : नई सफलताओं से खुद की क्षमता का एहसास होगा। सगे-संबंधों में व्यवहार कुशल बनें। सामाजिक व मांगलिक कार्यों में भागेदारी संभव। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।

वृषभ : परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर प्रभावी होंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधियों का भरपूर लाभ उठायेंगे। घरेलू कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मिथुन : घरेलू दायित्वों के प्रति सक्रियता से महत्ता बढ़ेगी। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता से उत्साहित होंगे।

कर्क : नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ति के आसार बनेंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद होगा। अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। मजाकिया स्वभाव से आसपास प्रसन्नता बिखेरेंगे।

सिंह : कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। अंतर्मुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। दुविधाओं को त्याग स्वच्छ योजनाओं पर केंद्रित होंगे। किसी नई दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

कन्या : सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण उत्साहित रहेगा।

तुला : नौकरी-पेशे में राजनीतिज्ञों का सहयोग प्राप्त होगा। नकारात्मक चिंताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बरतें। घर में खुशहाल माहौल रहेगा।

वृश्चिक : विद्यार्थियों को ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। किसी बड़े आयोजन हेतु साधन व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं।

धनु : सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। रोजगार क्षेत्र में लाभकारी स्थिति से मन प्रसन्न होगा।

मकर : पुराने संबंधों से लाभ संभव। शिक्षा-प्रतियोगिता में मनोवान्छित सफलता मिलेगी। पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में मन असमर्थ मन चिंतित होगा।

कुंभ : कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम प्रगति संभव।

मीन : कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। तामसी व गैर सांस्कारिक कार्यों की ओर आकर्षित मन पर अंकुश लगायें। संतान संबंधित दायित्वों की पूर्ति हेतु तत्पर होंगे।

घर पर बनाएं ढाबा स्टाइल दाल तड़का

दाल तड़का की सामग्री

इसे बनाने के लिए आपको चाहिए अरहर की दाल, मसूर की दाल, प्याज, लहसुन, टमाटर, हरीमिर्च, करी पत्ता, साबुत लाल मिर्च, घी, तेल, नमक, मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, कश्मिरी लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, अमचूर पाउडर और हरा धनिया।

विधि

दाल तड़का को पसंद करने वालों की कमी नहीं है। एक बार को लोगों को घर में बनी दाल पसंद न आए लेकिन ढाबा में जाकर वह दाल तड़का को जरूर ऑर्डर करते हैं। करें भी क्यों न आखिर उसका स्वाद ही इतना अच्छा होता है कि हर किसी के मुंह से खाने के बाद 'वाह' ही निकलता है। इस दाल को घर में बनाने की कोशिश आपने भी कई बार की होगी लेकिन हो सकता है कि इसके स्वाद ने आपको खुश न किया हो। दरअसल कई बार ऐसा हो सकात है कि आप कुछ ढाबा स्टाइल बनाने की कोशिश करें और उसका स्वाद वैसा न आए। अब बात ढाबा स्टाइल दाल तड़का को बनाने की है तो हम आपको बता रहे हैं उसकी रेसिपी। वैसे तो दाल तडका बनाने में तीन बार छोंक लगाया जाता है। लेकिन हम आपको सबसे आसान रेसिपी बता रहे हैं तो हम इसे दो तड़कों में बनाएंगे। तो चलिए जानते हैं इसे कैसे बनाया जाए।

शब्द सामर्थ्य- 5

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

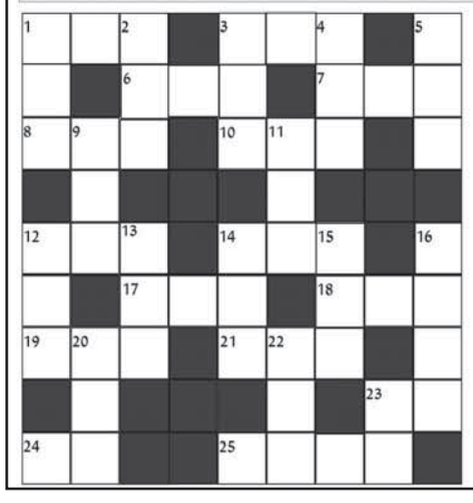

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 004 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

सू-दोकू- 5

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.004 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6